दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 28 अगस्त 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 329

आतंकवाद के खात्मे में एनआईए की महत्वपूर्ण भूमिका, 2024 तक सभी राज्यों में होंगे एजेंसी के दफ्तर - गृहमंत्री शाह

रायपुर (आरएनएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह भव्य भवन एनआईए की बढ़ती साख और दबदबे का प्रतीक है। एनआईए की स्थापना का समय लंबा नहीं है। किसी भी एजेंसी को उभरने, साख बनाने और परिणाम लाने में लंबा समय लगता है, लेकिन एनआईए ने कम समय में ही काम में बेंचमार्क स्थापित किया है। क्राइम एंटी टेरर एजेंसी की मान्यता हासिल की है। यह देश के लिए गौरव की बात है। दोष सिद्धि के मामले में एजेंसी ने गोल्ड मानक हासिल किए हैं। एजेंसी ने 94प्रतिशत मामलों को सुलझाया है। इसमें ऐसे भी मामले हैं, जिसमें षड्यंत्र देश के बाहर होते हैं और घटना यहां होती है। राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में एनआईए की महत्वपूर्ण भूमिका है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 3 साल में एक फेडरल क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी बनाने का भरसक प्रयास किया है। रायपुर में सवा एकड़ में दफ्तर बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दोनों को सहयोग देने के लिए धन्यवाद देता हूं। विगत वर्षों में 10 राज्यों में एनआईए ने अपने काम का विस्तार किया है। 2019 में चंडीगढ़, 2020 में रांची, इंफाल और चेन्नई, 2022 में जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलुरू, पटना, भोपाल और भुनेश्वर राज्यों में दफ्तर खोले गए। एनआईए ने 3 साल में 18 राज्यों में अपने ब्रांच खोले गए हैं। मई-2024 से पहले देश के सभी राज्यों में एनआईए की ब्रांच होगी। केंद्र सरकार ने एनआईए को मजबूत करने का काम किया है और इसके अच्छे परिणाम भी सामने आए हैं।

आतंकी संगठनों को प्रतिबंधित कर रही एनआईए

अमित शाह ने कहा कि एनआईए को मजबूत करने क्वालिटी ऑफ इनवेस्टिगेशन, तकनीक का उपयोग, मैन पावर सहित सभी चीजों को अपनाया गया है। आतंकवाद और वामपंथियों से देश को मुक्त कराने में एनआईए की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एनआईए का दायरा देश से बढ़ाकर विदेशों तक किया है। आतंकवाद की प्लानिंग करने वालों तक एनआईए पहुंचकर जांच कर रही है। आतंकवादी संगठनों को प्रतिबंधित करने का काम एनआईए कर रही है। अब तक 36 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी मान्यता प्राप्त हुई है। टेरर फंडिंग के मामले में अंकुश लगा है। कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त किया गया है। 2018 से 2020 105 मामले दर्ज किए। 876 आरोपियों को पकड़ लिया गया। 105 में से 94 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई है।

माओवादियों के सरेंडर में 140प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। 2009 में 2258 घटनाएं हुई थी। इसमें 77प्रतिशत की कमी आई है। 2021 में 509 घटनाएं हुई हैं। 2009 में जान गंवाने वाले सुरक्षा कर्मी 1005 थे। उसमें 85 प्रतिशत की कटौती हुई है। 2021 में 147 सुरक्षा बल के जवानों की मौत हुई है। वामपंथी अब सिर्फ 46 जिले में घटनाओं को रिपोर्ट करते हैं। पहले 120 जिलों तक फैला था। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। हिंसक घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी आई है। मौतों के मामले में 66 प्रतिशत कमी हुई है। सुरक्षाबलों की मौत में 71 प्रतिशत की कमी आई है। आत्मसमर्पण में 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चारों मानकों में बड़ी सफलता मिली है।

छत्तीसगढ़ से जल्द खत्म होगा नक्सलवाद : भूपेश

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि वामपंथ हमें विरासत में मिली है। कई जवान शहीद हुए। जनहानि हुई, लेकिन हमारे जवान माओवादियों का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। आज नक्सलवाद पर बहुत हद तक लगाम है। छत्तीसगढ़ पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां धन्यवाद की पात्र हैं। बहुत जल्द हम छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म करने में सफल होंगे। एनआईए कार्यालय खुलने से अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी। मैं इसके लिए केंद्रीय गृहमंत्री को धन्यवाद देता हूं। भूपेश ने कहा कि एनआईए की जिम्मेदारी बड़ी है। उसकी विश्वसनीयता सभी मानते हैं। कई मामलों के साथ झीरम घाटी और भीमा मंडावी की हत्या की जांच अभी भी पेंडिंग है। माओवाद हो अथवा आतंकवाद हो, वे मानवता के दुश्मन है। उनके खिलाफ सभी को सहयोग करना चाहिए।

ट्रायल रन में वंदे भारत एक्सप्रेस ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 180 किमी/घंटे की पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने ट्विटर हैंडल से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वंदे भारत एक्सप्रेस जिसे ट्रेन-18 के नाम से भी जाना जाता है, ने ट्रायल रन के दौरान 180 किमी प्रति घंटे की गति सीमा को तोड़ दिया। यह रेलवे के लिए एक नई कामयाबी है। वीडियो शेयर करते हुए अश्विनी वैष्णव ने ट्विटर पर लिखा, वंदेभारत-2 का स्पीड ट्रायल कोटा-नागदा सेक्शन के बीच 120/130/150 और 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से शुरू हुआ।

वंदे भारत वर्तमान में शताब्दी एक्सप्रेस की जगह लेगा। आपको बता दें कि इस ट्रेन की क्षमता 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की है। हालांकि, इसके लिए अनुकूल ट्रैक और ग्रीन सिग्नल हो। नई वंदे भारत में 16 कोचों के साथ शताब्दी एक्सप्रेस के समान यात्री ले जाने की क्षमता होगी। इसमें दोनों सिरों पर ड्राइवर केबिन हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन है। यह ट्रेन यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा प्रदान करती है।

आपको बता दें कि इस ट्रेन के दूसरे चरण का ट्रायल रन कोटा-नागदा सेक्शन पर शुरू हुआ। रेलवे के मुताबिक, ट्रायल रन पूरा होने के बाद इसकी रिपोर्ट रेलवे सेफ्टी कमिश्नर को भेजी जाएगी। सुरक्षा आयुक्त से हरी झंडी मिलने के बाद नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दूसरे नए रूट पर चलने लगेगी। सूत्रों ने बताया कि नई ट्रेन अहमदाबाद और मुंबई के बीच चलाई जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, नई ट्रेनों में यात्रा को सुरक्षित और अधिक आरामदायक बनाने के लिए ऑटोमेटिक फायर सेंसर, सीसीटीवी कैमरे और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे। इन ट्रेनों की अधिकतम गति 180 किमी/घंटा तक है। आईसीएफ ने अगस्त 2023 तक 75 वंदे भारत ट्रेनों के निर्माण का लक्ष्य रखा है।

पिछली ट्रेनों की तुलना में हल्के डिब्बे होने के कारण नई ट्रेनों में यात्रा करना अधिक आरामदायक होगा। कोच स्टेनलेस स्टील के बने होते हैं। वजन कम होने के कारण यात्री तेज रफ्तार में भी ज्यादा सहज महसूस करेंगे। इसके अलावा, इस नई ट्रेन में पायलट द्वारा संचालित ऑटोमेटिक गेट हैं। इसकी खिड़कियां चौड़ी हैं। सामान रखने के लिए भी जगह ज्यादा है। सूत्रों का कहना है कि ट्रेन के कुछ हिस्सों को छोडक़र अधिकांश हिस्से मेड इन इंडिया हैं।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी नई ट्रेनों में कवच तकनीक लगाई जा रही है, ताकि एक ही ट्रैक पर दूसरे ट्रेन के आने की स्थिति में ऑटोमेटिब ब्रेक लगाया जा सके। ट्रेन की परीक्षण गति 180 किमी प्रति घंटा है, जबकि अधिकतम गति सीमा 160 किमी प्रति घंटा है। अभी दो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। एक नई दिल्ली-वाराणसी और दूसरी नई दिल्ली-वैष्णोदेवी कटरा के बीच चलती है।

नीट : जिन लड़कियों के उतरवाए गए थे इनरवियर, एनटीए ने दी दोबारा परीक्षा देने की इजाजत

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट यूजी एग्जाम के दौरान हुई चेकिंग के समय कुछ लड़कियों के इनरवियर चेक करने का मामला सामने आया था। इसके बाद देशभर में बवाल मच गया था। वहीं अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि वह इन स्टूडेंट्स के लिए नीट एग्जाम का आयोजन फिर से करेगा। इन लड़कियों का कहना था कि मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम देने से पहले कथित तौर पर तलाशी के दौरान इन्हें इनरवियर उतारने के लिए कहा गया था। एनटीए ने कहा है कि इन लड़कियों को 4 सितंबर को एक बार फिर से एग्जाम देने का मौका दिया जाएगा। इस बारे में कंफर्म करने के लिए एक ईमेल भी भेजा गया है।

दरअसल, केरल के कोल्लम जिले में नीट एग्जाम के दौरान चेकिंग के समय लड़कियों के इनरवियर उतारने का मामला सामने आते ही देशभर में इस पर काफी विवाद छिड़ गया था। जुलाई में एक व्यक्ति ने कोट्टारकरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और कहा कि उसकी बेटी सहित नीट की महिला उम्मीदवारों को चथमंगलम में एग्जाम सेंटर में एंट्री करने से पहले अपनी ब्रा उतारने के लिए कहा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्राओं को एग्जाम सेंटर में घुसने से पहले इनरवियर उतारने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि उनके ब्रा के मेटल हुक सुरक्षा के लिए चिंता की वजह बन रहे थे।

इस मामले ने काफी तूल पकड़ा और यही वजह रही कि राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। वहीं, एनटीए ने आरोपों की जांच करने और चार हफ्ते में अपनी रिपोर्ट देने के लिए तीन सदस्यीय समिति का भी गठन किया था।

सोपोर में लश्कर के तीन आतंकी गिरफ्तार, तलाशी में हथगोले बरामद

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ सेना के जवानों में अभियान चला रखा है। घाटी में आतंकियों को चुन चुनकर मौत के घाट उतार रहे हैं। हाल ही में उत्तरी कश्मीर के सोपोर में पुलिस को बड़ा सफलता मिली है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तरी कश्मीर के सोपोर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी संगठन के तीन ओवरग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार करने का दावा किया है। 22 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), और 179 बीएन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) सहित सुरक्षा बलों के साथ सोपोर पुलिस द्वारा शुक्रवार शाम बोमई पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में बोमई चौक पर एक संयुक्त अभियान में ये गिरफ्तारियां की गई।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आतंकियों से आपत्तिजनक सामग्री के साथ हथियार बरामद हुआ है। इस घटना के बाद आस-पास के इलाकों में पुलिस का सर्च अभियान चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, आतंकवादियों की पुष्टि शारिक अशरफ, सकलैन मुश्ताक और तौफीक हसन शेख के रूप में की गई है। गोरीपुरा से बोमई जा रहे तीन लोगों को चेकिंग के दौरान संदिग्ध रूप से घूमते देखा गया। पुलिस को रुकने के लिए कहा गया, तो उन्होंने मना कर दिया और भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार सुरक्षाकर्मी उन्हें पकडऩे में कामयाब रहे।

तलाशी के बाद उनके पास से 12 पाकिस्तानी झंडे, नौ पोस्टर और तीन हथगोले मिले। पकड़े गए व्यक्ति प्रारंभिक जांच के अनुसार प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा के ओजीडब्ल्यू हैं और वे लगातार बाहरी मजदूरों सहित सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों पर हमला करने के अवसर की तलाश में थे। बोमई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और अतिरिक्त जांच जारी है।

वहीं खबर है कि अरनिया बॉर्डर पार कर रहे एक घुसपैठिए को सीमा सुरक्षा बल ने गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

3700 किलो विस्फोटक से आज ध्वस्त हो जाएगा ट्विन टावर

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुपरटेक ट्विन टावर को गिराने की तैयारी पूरी हो गई है। कल यानी रविवार (28 अगस्त) को ट्विन टावर को ध्वस्त कर दिया जाएगा। इस विध्वंस से सुपरटेक को लगभग 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। वहीं इमारत को गिराने के लिए करीब 20 करोड़ रुपये की खर्च आ रही है।

नोएडा के सेक्टर-93ए में ट्विन टावर स्थित 1. नोएडा के सेक्टर-93ए में ट्विन टावर स्थित है। एक इमारत की ऊंचाई 103 मीटर तो वहीं दूसरी की लगभग 97 मीटर है। हरियाणा के पलवल से लाए गए करीब 3700 किलो विस्फोटक का विध्वंस के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह डायनामाइट, इमल्शन और प्लास्टिक विस्फोटकों का मिश्रण है। 2. नोएडा में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट हाउसिंग सोसाइटी में दो टावर स्थित है। इसको 2004 में बनाने का प्रस्ताव था। नोएडा प्राधिकरण ने 48263 वर्ग मीटर की भूमि का एक भूखंड आवंटित किया, जो कि प्लॉट नंबर 4 का एक हिस्सा था।

पहले 14 टावरों का निर्माण हुआ था शुरू 3. नोएडा प्राधिकरण ने 2005 में एमराल्ड कोर्ट के निर्माण के लिए भवन योजना को मंजूरी दी। जिसमें 14 टावर शामिल हैं। प्रत्येक में ग्राउंड और 9 मंजिल है। इन 14 टावरों का निर्माण शुरू हो गया है। 4. जून 2006 में कंपनी को आवंटित कुल लीज क्षेत्र बढक़र 54,819.51 वर्ग मीटर हो गया। नियमों के तहत 2006 के बाद नए आवंटियों के लिए फ्लोर एरिया रेशियो को भी 1.5 से बढ़ाकर 2 कर दिया गया था।

दो टावर को और बढ़ाया गया 5. दिसंबर 2006 में नोएडा ने एनबीआर 2006 के तहत एमराल्ड कोर्ट के लिए पहली संशोधित योजना को मंजूरी दी। जिसके द्वारा दो अतिरिक्त मंजिलें जोड़ी गई। जिससे उन सभी को ग्राउंड और 11 मंजिलों (जी+11) में लाया गया। इसके अलावा अतिरिक्त इमारत टॉवर 15, टॉवर 16 और एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को भी मंजूरी दी गई।

2021 में गिराने का दिया था आदेश 6. नोएडा प्राधिकरण ने 2012 में नई योजना की समीक्षा की, जिसमें ट्विन टावरों की ऊंचाई 40 मंजिलों पर तय की गई थी। 7. सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में ट्विन टावर को गिराने का आदेश दिया। निर्माण में कई नियनों का उल्लंघन किया था। अदालत के अनुसार, यूपी अपार्टमेंट अधिनियम के तहत आवश्यक व्यक्तिगत फ्लैट मालिकों की सहमति के बिना इमारतों को अवैध रूप से बनाया गया था।

प्राधिकरण और सुपरटेक की मिलीभगत 8. शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि सुपरटेक और नोएडा प्राधिकरण मिलीभगत में शामिल है। इसके बाद इसने सुपरटेक को नोएडा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में अपने खर्च पर इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।

28 अगस्त को होगा ध्वस्त 9. अदालत ने प्राधिकरण को अपने खर्च पर 4 महीने के भीतर इमारतों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया था। होमबॉयर्स की कई याचिकाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आया है। 10. इमारतों को मई में ध्वस्त किया जाना था, जिसे बाद में 21 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 28 अगस्त की तारीख तय कर दी।